सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 265 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 2 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

साधारण चीजें ही सबसे असाधारण होती हैं, और सिर्फ बुद्धिमान लोग ही उन्हें देख सकते हैं।
-पाओलो कोएलो

अफ्रीकी टीम ने किया कीवियों का... 7 | मराठा आरक्षण समय की मांग या... 3 | हर हाल में भाजपा को हराना... 2

मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में शर्मनाक वारदात

BHU की छात्रा के कपड़े उतारे किस किया, विडियो बनाया

हजारों छात्र सड़कों पर

छात्रा ने सुनाई आपबीती कहा-बुलेट सवार तीन लड़के अचानक पहुंचे और मुझे जबरन अपने साथ खींच ले गए

» लगाए डायरेक्टर हाय-हाय के नारे, क्लोज कैंपस की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में एक शर्मनाक मामला सामने आया है। एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की गई है। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र में यह मामला गरमाता जा रहा है। गुरुवार को सैंकड़ों की संख्या में छात्र राजपूताना हॉस्टल पहुंचे और प्रदर्शन किया। बीएचयू कैंपस में हुई इस घटना ने छात्रों को झकझोर कर रख दिया है। बीएचयू कैंपस की सिक्योरिटी पर सवालिया निशान खड़ा होता जा रहा है। वहीं छात्र कैंपस में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बैनर और पोस्टर के साथ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को भी आधी रात के बाद एक छात्रा से छेड़छाड़ की घटना हुई। इसी के यूपी की योगी सरकार भी निशाने पर आ गई है। विपक्ष ने इसे शर्मनाक बताया है।

आईआईटी बीएचयू कैंपस में दोस्त के साथ घूम रही छात्रा के कपड़े उतारे, शरीर के साथ छेड़खानी की और वीडियो भी बनाया गया। गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में छात्र राजपूताना हॉस्टल पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने डायरेक्टर हाय-हाय के नारे लगाए और कैंपस बंद करने की मांग भी की। छात्रों ने कहा- कैंपस में बाहरी तत्वों का प्रवेश पर भी रोक लगाई जाए।

पीड़ित छात्रा ने बताया

वहीं छात्रा ने अपनी तहरीर में बीएचयू कैंपस के अंदर घटी घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि मैं और मेरे साथी दिल्ली हॉस्टल की तरफ जा रहे थे, तभी रास्ते में बुलेट सवार तीन लड़के अचानक पहुंचे और मेरे साथी को अलग करते हुए मुझे जबरन अपने साथ खींच ले गए सन्नाटे का लाभ लेते हुए तीनों ने मेरे साथ जितना गलत कर सकते थे उतना किया साथ ही पूरे घटना का वीडियो भी बनाया। कुछ देर बाद मैं उन तीनों लड़कों के चंगुल से छूटकर भागते हुए एक प्रोफेसर के निवास पर जाकर रुक गई।

कहाँ हैं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा लगाने वाले

हाथों में पोस्टर लेकर कैंपस में नारे लगाते ये कोई सड़कछाप लड़के नहीं, आईआईटी-बीएचयू के छात्र हैं। इनका आरोप है कि आये दिन कैंपस के अंदर लड़कियों के साथ छेड़खानी होती है। आखिर यह छेड़खानी कौन करता है? प्रशासन उन पर कार्रवाई क्यों नहीं करता? देश का भविष्य जिस परेशानी के कारण सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गया है। उस पर भी अगर ये सत्ता नहीं सुनेगी तो कब और क्या सुनेगी? महिला सुरक्षा का दावा करने वाले कहाँ हैं? कहाँ हैं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा लगाने वाले? जवाब दें! अगर बेटी शोहदों से ही नहीं बचेगी तो पढ़ेगी कैसे?

एबीवीपी ने बीएचयू प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

बीएचयू की शर्मनाक घटना पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ी है इस घटना ये बीएचयू प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई है। विद्यार्थी परिषद ने कहा कि प्रशासन संदिग्धों की तलाश कर उनको कड़ी सजा दिलाए साथ ही ऐसी व्यवस्था करे ताकि आगे ऐसी घटना न घटित हो। वहीं छात्रों ने कहा- कैंपस में बाहरी तत्वों के प्रवेश पर भी रोक लगाई जाए।

सपा व कांग्रेस ने योगी व मोदी को घेरा

इस घटना पर राजनीतिक दलों ने घोर आक्रोश जताया है। कांग्रेस ने इसे शर्मनाक बताते हुए योगी व मोदी सरकार को घेरा है। उसने कहा कि केंद्र व राज्य में बीजेपी सरकार से कानून व्यवस्था संभल नहीं पा रही। मनचलों के मन बढ़े हुए हैं उन्हें कानून का डर नहीं है। वहीं सपा ने कहा है कि पूरे यूपी में महिलाएं व बालिकाएं सुरक्षित नहीं है। अराजक तत्व इतने ताकतवर हो गए कि विद्या मंदिरों में भी कुकृत्य कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात ये घटना पीएम के संसदीय क्षेत्र में घटी है जो हर मंच पर बीजेपी सरकार की कानून व्यवस्था की तारीफ में कसीदे पढ़ते रहते हैं।

हर हाल में भाजपा को हराना है : अखिलेश

» राज्य कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

» बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें

» 65 सीटों पर लड़ेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी 80 सीटों पर भाजपा को हराने की तैयारी करें। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर लखनऊ में आयोजित सपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को वोटर लिस्ट पर ध्यान देने और गुटबाजी से दूर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में गुटबाजी नहीं होना चाहिए। सभी को मिलकर चुनाव के लिए जुट जाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें और पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हक व अधिकार की बात करें।

सपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को पार्टी के लखनऊ स्थित मुख्यालय पर हुई। बैठक में वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव और रामगोपाल यादव के साथ ही 300 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। जिसमें पार्टी की रणनीति को लेकर मंथन किया गया। बैठक में शामिल हुए सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि सपा प्रदेश में लगातार संघर्ष कर रही है। सपा का प्रयास है कि पार्टी यूपी में सभी 80 सीटों पर भाजपा को परास्त करे। लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ छह महीने का ही समय बाकी है। ऐसे में बैठक में लोकसभा चुनाव प्रमुख मुद्दा है। सपा विपक्षी गठबंधन इंडिया की सदस्य है पर अखिलेश यादव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जिन राज्यों में क्षेत्रीय दल मजबूत हैं वहां उन पर भरोसा किया जाए। हालांकि, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सपा व कांग्रेस नेताओं में बयानबाजी हुई है। प्रदेश में कांग्रेस भी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा कर रही है। इसके लिए अलग-अलग अभियानों व सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक में सपा कोई बड़े निर्णय ले सकती है। अखिलेश ने एलान किया है कि गठबंधन होने पर भी यूपी की 65 सीटों पर सपा लड़ेगी बाकी सीटें सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएंगी।

बोले-गुटबाजी से दूर रहें कार्यकर्ता

प्रदेश सपा मुख्यालय पर बुधवार को कार्यकारिणी की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर मंथन किया गया। इसमें करीब 450 सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों ने हिस्सा लिया। चरखारी के पूर्व विधायक व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कसान सिंह राजपूत ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करनी है। उन्हें भी विधानसभा क्षेत्र राठ (हमीरपुर) की जिम्मेदारी दी गई है। एक माह के भीतर प्रदेश नेतृत्व को यह रिपोर्ट देनी होगी कि संबंधित विस क्षेत्र में बूथ कमेटियों का गठन ठीक से हुआ है या नहीं।

फिल्म देखने वाले जनता का दुख भी देखें

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार की ओर से फिल्म तेजस दिखाने पर तंज कसा है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोग बता रहे हैं कि माननीय फिल्म देखकर भावुक हो गए! सिनेमा के झूठ को सच मानकर अश्रुपूरित होने वाले यदि अपने राज में जनमानस का सच्चा दुख-दर्द देख लें तो शायद रेगिस्तान में आंसुओं का सागर उमड़ पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश की कागजी फिल्म सिटी में अभिनय के जीवंत पाठ पढ़ाने के लिए अब बाहर से प्राध्यापक नहीं बुलाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब माननीय किसी कलाकार की एक कामर्शियल फिल्म का प्रचार कर रहे हैं तो बदले में उस कलाकार से भावी फिल्म सिटी का प्रचार ही करवा लें क्योंकि फिल्म से तो राज्य की आय में कुछ बढ़ोतरी नहीं ही हो रही है।

एनडीए को हराएगा समाजवादी पीडीए

सपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए पूरी तैयारी के साथ अभी से जुट जाएं। देश में लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए यह अंतिम चुनाव है। समाजवादी पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) ही भाजपा के एनडीए को सत्ता से हटाएगा।

स्थिति के आधार पर मिले आरक्षण : राज ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी मांग की कि आरक्षण मुद्दे पर चर्चा के लिए महाराष्ट्र विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाया जाए। जरांगे को लिखे पत्र में राज ठाकरे ने कहा कि जिन लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका, उन्हें मिलना चाहिए और आरक्षण आर्थिक स्थिति के आधार पर होना चाहिए। राज ठाकरे ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सरकार को राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

सभी को बताएं कि विभिन्न राय क्या हैं और सरकार किस कानून के तहत आरक्षण देने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इसके बाद केंद्र को एक प्रस्ताव भेजा जा सकता है, जिससे इस मुद्दे से निपटने के लिए कहा जा सकता है। जरांगे मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 25 अक्टूबर से जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सराटी में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। राज ठाकरे ने मनोज जरांगे पाटिल को भाई लिखकर पत्र में संबोधित किया है।

चुनाव से पहले विपक्ष को जेल भेजना चाहती है भाजपा: ममता

» राष्ट्रगान मामले में मिली मुंबई कोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है। सीएम बनर्जी ने कहा कि भाजपा की योजना अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के नेताओं को गिरफ्तार करने की है। भाजपा की योजना 2024 चुनाव से पहले सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने की है। वे देश में सिर्फ अपने लिए चुनाव कराना चाहती है। वहीं मुंबई की कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राष्ट्रगान के अपमान से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी है।

कोर्ट ने बीजेपी के एक कार्यकर्ता की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रगान का पाठ करना गाने के समान नहीं नहीं है। कोर्ट ने बीजेपी कार्यकर्ता की शिकायत खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रगान का पाठ करना, इसे गाने के समान नहीं है। आर्डर में कहा गया है शिकायतकर्ता की तरफ से दिए गए फुटेज में यह नहीं दिखाया गया है कि बनर्जी राष्ट्रगान गा रही थीं या उन्होंने इसे गाने की कोशिश की। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा आरोपी अचानक राष्ट्रगान गाना बंद करते या कार्यक्रम स्थल छोड़ते हुए नहीं देखी गईं। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता ने केवल 17 से 19 सेकेंड का वीडियो फुटेज पेश किया और यह दिखाने के लिए कोई सामग्री पेश नहीं की कि बनर्जी ने किस संदर्भ में राष्ट्रगान की पंक्तियां पढ़ीं।

भाजपा कार्यकर्ता ने की थी शिकायत

भाजपा कार्यकर्ता विवेकानंद गुप्ता ने शिकायत में यह आरोप लगाते हुए मजिस्ट्रेट की अदालत का रुख किया था कि बनर्जी दिसंबर 2021 में अपने मुंबई दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान बजने पर खड़ी नहीं हुई थी। उन्होंने बनर्जी पर राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप लगाया था और अदालत से अनुरोध किया था कि पुलिस को उनके खिलाफ 'राष्ट्रीय गौरव के अपमान की रोकथाम' अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाए।

मोटी चमड़ी वाले ही राजनीति में टिक सकते हैं : दिग्विजय

» बोले- दृढ़ विश्वास के लिए गाली खाने के लिए भी तैयार रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बीच गाली खाने की पावर ऑफ अटॉर्नी को लेकर हुए संवाद के बाद छिड़ा विवाद पूरी तरह से थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को एक पोस्ट कर इस मुद्दे को फिर जिंदा कर दिया है। सिंह ने अलसुबह सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पोस्ट किया कि जिन राजनेताओं की चमड़ी मोटी नहीं होती वे राजनीति में टिक नहीं पाते। सार्वजनिक जीवन का मूल सिद्धांत है। आप जिस पर विश्वास करते हैं उस पर दृढ़ रहें और अपने दृढ़ विश्वास के लिए गाली खाने के लिए भी तैयार रहें।

गांधी जी की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उनमें दृढ़ विश्वास का साहस था! अब कहां हैं ऐसे राजनेता? दुखद। सिंह के इस पोस्ट के बाद एक फिर कई कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर दिग्विजय सिंह का इशारा किसकी तरफ है। इधर, भले ही पीसीसी चीफ ने यह कहकर कि हमने मंच पर हास परिहास किया था इस मुद्दे को दबाने की कोशिश की हो लेकिन सिंह के पोस्ट से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वे चाहकर भी इस गाली खाने की पावर ऑफ अटॉर्नी वाली बात को अपने मन से निकाल नहीं पा रहे हैं। बार बार उन्हें ये बात याद आ रही है।

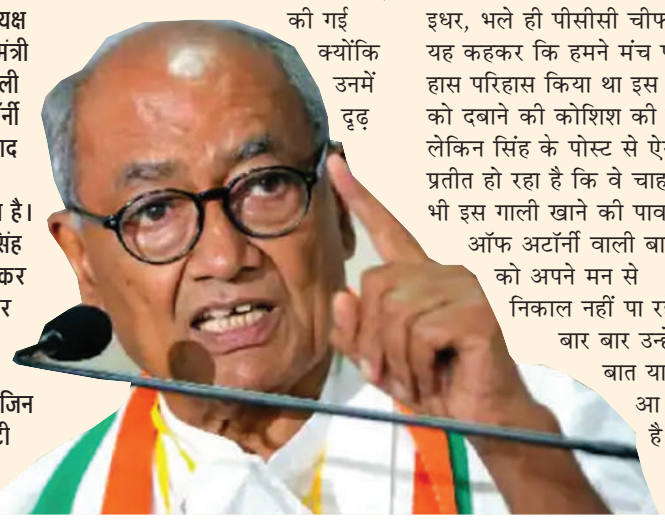

भाजपा नेताओं के बच्चे विदेशों में पढ़ रहे पर उन्हें गरीबों की पढ़ाई से चिढ़ : खेड़ा

राजस्थान विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस लगातार एक के बाद एक गारंटी लांच कर रही है। बीजेपी इन गारंटियों पर सवाल उठा रही है। वहीं, एआईसीसी के मीडिया कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने पूछा कि बीजेपी को गारंटी शब्द से इतनी नफरत क्यूं। खेड़ा ने कहा कि समझ नहीं आता बीजेपी के नेताओं को इस गारंटी से क्या परेशानी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं के बच्चे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा लेकर विदेशों में पढ़ाई कर रहे हैं और गर्व के साथ भाजपा नेता अपने बच्चों की फोटो यह दर्शाते हुए सोशल मीडिया पर डालते हैं कि मेरा बच्चा विदेश में पढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यह तकलीफ है कि राजस्थान में एक गरीब, मजदूर, किसान का बेटा अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा लेकर कहीं अंग्रेजी में इनके बच्चों से बात करते हुए मुकाबला न करने लग जाए। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा के नेताओं को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की गारंटी से आपत्ति है तो विरोध करने से पूर्व अपने बच्चों को विदेशों से वापस बुलाएं, उसके पश्चात् अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा का विरोध करें। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता समझदार है, वो गहलोत सरकार की गारंटी व कार्यों पर वोट करेगी तथा प्रदेश में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाएगी।

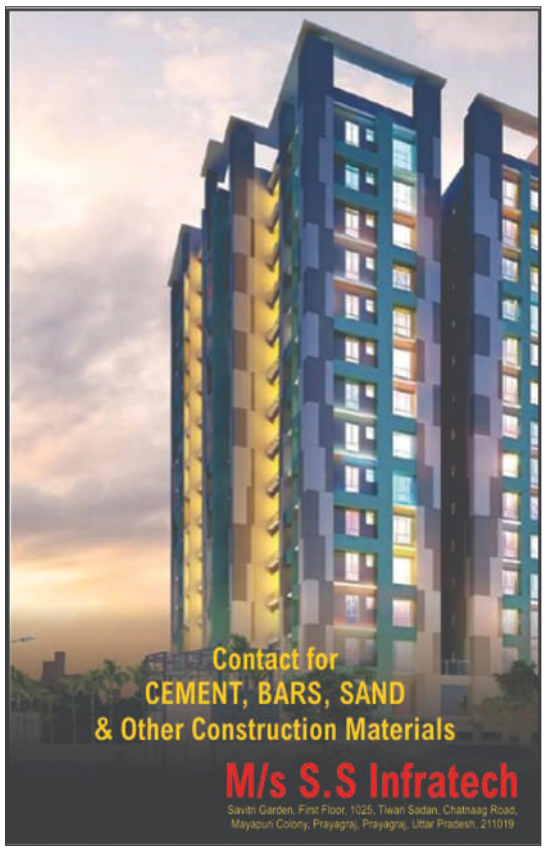

मराठा आरक्षण समय की मांग या सियासी रण

बीजेपी-शिवसेना सरकार समस्या के समाधान में जुटी

- महाराष्ट्र में हो रहा हिंसक आंदोलन
- विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक में दिया सरकार साथ
- राउत व उद्धव ने शिंदे सरकार को घेरा
- जरांगे ने उड़ाई शिंदे सरकार की नींद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई आज महाराष्ट्र मराठा आरक्षण को लेकर उपद्रव व सियासी वार-पलटवार में फंसा हुआ है। जहां एकनाथ शिंदे सरकार इसपर सर्वदलीय बैठक कर इस मामले का समाधान निकालने का प्रयास कर रही है वहीं विपक्ष वहां की सरकार पर मामले को लटकाने का आरोप लगा रही है। गौरतलब हो कि पिछले कुछ दिनों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। मराठवाड़ा के पांच जिलों में सरकारी बस सेवाएं पूरी तरह से निलंबित कर दी गई हैं। इसके अलावा बीड के कुछ हिस्सों में सोमवार को कर्फ्यू और इंटरनेट बंद कर दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नेताओं के घरों को भी निशाना बनाया।

चार बच्चों के पिता जरांगे वर्तमान में किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं और यह दोहराने में सावधानी बरत रहे हैं कि उनका आंदोलन अराजनीतिक है। लेकिन वह 2004 तक कांग्रेस के जिला युवा अध्यक्ष थे। महाराष्ट्र में चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन में एक नाम की चर्चा खुब है। वह नाम है मनोज जारांगे पाटिल का। मनोज जारांगे पाटिल नाम के 40 वर्षीय किसान मराठा आरक्षण आंदोलन के चेहरे के रूप में आज महाराष्ट्र में सबसे प्रभावशाली आवाज़ों में से एक बनकर उभरे हैं। जारांगे मराठा समुदाय को आरक्षण दिलाने के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं और भारी भीड़ जुटा रहे हैं। इनकी हुंकार की वजह से राज्य सराकर बैकफूट पर नजर आ रही है। बुधवार (1 नवंबर) को जारांगे ने घोषणा की कि अगर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने उनकी मांग पूरी नहीं की तो वह शाम से पानी पीना बंद कर देंगे। ताजा अल्टीमेटम जारांगे के पहले के विरोध प्रदर्शनों और पिछले कुछ महीनों में भूख हड़ताल के बाद आया है, जिसने राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को तेज करने का काम किया है, जिसमें महाराष्ट्र की लगभग 30 प्रतिशत आबादी शामिल है। मैट्रिक तक पढ़ाई करने वाले किसान जारांगे लगभग 15 वर्षों से मराठा आरक्षण आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। वह मूल रूप से महाराष्ट्र के बीड जिले के मटोरी गांव के रहने वाले हैं, लेकिन जालना जिले के अंबाद में बस गए हैं, जहां से वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। मराठा आरक्षण आंदोलन में वर्षों से एक मजबूत चेहरे का अभाव था, एक शून्य जिसे जारांगे ने भर दिया है। जारांगे ने शिवबा संगठन की स्थापना की। उन्होंने 2011 से पिछले 12 वर्षों में 35 बार विरोध प्रदर्शन किया है। जारांगे ने विरोध प्रदर्शन के वित्तपोषण के लिए लगभग दो एकड़ की अपनी जमीन बेच दी। वह आरक्षण की मांग को लेकर आत्महत्या करने वाले मराठा युवाओं के परिजनों के लिए 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं। वह 25 अक्टूबर से जालना के अंतरवाली सरती गांव में अनशन पर हैं। अस्पताल में भर्ती होने से पहले सितंबर में 16 दिन का उपवास रखने के बाद यह उनका दूसरा भूख विरोध प्रदर्शन है। जारंगे ने उस समय अनशन खत्म करने का फैसला किया था जब महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने उनसे मुलाकात की थी और आश्वासन दिया था कि सरकार कोटा की मांग का पालन करेगी। 40 दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद वह फिर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए।

सीएम शिंदे ने की लोगों से हिंसा न करने की अपील

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मराठा आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक हुई। इस बैठक में नेताओं ने एक प्रस्ताव पारित कर कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अनिश्चितकालीन अनशन को खत्म करने की अपील की। सर्वदलीय बैठक के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार मराठा आरक्षण के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता मनोज जरांगे को मराठा समुदाय के लिए कोटा सुनिश्चित करने में सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को संयम बरतना चाहिए। सीएम शिंदे ने कहा कि सरकार को आरक्षण लागू करने के लिए कानूनी तौर-तरीकों के लिए समय चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों से हिंसा न करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने राजनीतिक दलों से ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचने को कहा है। उन्होंने कहा कि इससे और भी स्थिति खराब हो सकती है।

मराठा आरक्षण पर सहमत हुए सभी दल

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मराठा आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक हुई। इस बैठक में नेताओं ने एक प्रस्ताव पारित कर कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अनिश्चितकालीन अनशन को खत्म करने की अपील की। सीएम शिंदे ने कहा कि सरकार को आरक्षण लागू करने के लिए कानूनी तौर-तरीकों के लिए समय चाहिए। बता दें कि सर्वदलीय बैठक में रखे गए प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना नेता अनिल परब, विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे और अन्य नेताओं ने हस्ताक्षर किए।

दिल्ली में आप और बीजेपी में तकरार

मनीष, संजय के बाद केजरीवाल को ईडी ने बुलाया

- आप नेता बोले- हद कर रही है मोदी सरकार
- बीजेपी सबको जेल में डाल देगी तो जेल से चलाएंगे सरकार : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा पर वार करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वे चाहते हैं कि मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त तीर्थयात्रा, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएं लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसा नहीं होने देंगे।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति मामले में गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होंगे। आम आदमी पार्टी (आप) ने आशंका व्यक्त की है कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। जब पूछा गया कि अगर ऐसा कुछ होता है तो पार्टी क्या करेगी, आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर भाजपा सभी को सलाखों के पीछे डालना चाहती है तो सरकार जेल के अंदर से चलेगी। उन्होंने कहा कि इसका फैसला पार्टी के वरिष्ठ नेता करेंगे। लेकिन अगर पूरी पार्टी जेल में है तो सरकार और पार्टी जेल से ही चलेगी। और बीजेपी यही चाहती है कि सभी लोग जेल में हों। भाजपा पर वार करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वे चाहते हैं कि मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त तीर्थयात्रा, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएं लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसा नहीं होने देंगे। ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को समन जारी कर दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में पूछताछ के लिए उसके सामने पेश होने को कहा है। मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसौदिया और आप सांसद संजय सिंह पहले से ही जेल में हैं। केजरीवाल को ईडी के समन पर भारद्वाज ने कहा कि अब यह खुलासा हो गया है कि जो भी भाजपा के लिए बाधा बन सकता है, उन्हें और उनकी पार्टी के नेताओं को किसी न किसी तरह से जेल भेजा जाएगा। आप नेता ने कहा कि पीएमएलए एक ऐसा कानून है जिसमें बिना किसी सबूत के किसी को भी सालों तक जेल भेजा जा सकता है। जब पूरा देश यह देख सकता है तो अदालतें इसे क्यों नहीं समझतीं? क्या अदालतें यह नहीं देख पा रही हैं कि विपक्षी नेताओं को एक-एक कर जेल भेजा जा रहा है... ऐसे में हम अदालतों से यही उम्मीद कर सकते हैं कि वे इस कानून का दुरुपयोग रोकेंगी। मंगलवार को दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि ऐसी आशंका है कि केजरीवाल को 2 नवंबर को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किया जाएगा। हमें जानकारी मिल रही है कि जब 2 नवंबर को अरविंद केजरीवाल ईडी के सामने पेश होंगे तो ईडी उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल देगी।

प्रजला का देखा सपना बीआरएस-बीजेपी ने दिया दोराला सरकार : राहुल

राहुल ने लोगों से कहा कि आपने प्रजला सरकार का सपना देखा था। आप दोराला सरकार नहीं चाहते थे। जब आप तेलंगाना के लिए लड़े, अपना खून बहाया, क्रांति लाए, तो आप प्रजला तेलंगाना के लिए लड़ रहे थे, न कि दोराला तेलंगाना के लिए। कांग्रेस पार्टी आपके सपनों को पूरा करने जा रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आने वाले चुनाव में लड़ाई दोराला तेलंगाना और प्रजाला तेलंगाना के बीच में है। तेलंगाना चुनाव को लेकर कांग्रेस राज्य में पूरी मजबूती से चुटी हुई है। कोल्लापुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा राज्य की केसीआर सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ आपके सीएम, उनका परिवार और दूसरी तरफ तेलंगाना की जनता, माताएं, बहनें और बेरोजगार युवा। उन्होंने कहा कि सरकार के दो सबसे बड़े लक्षण हैं जिन्हें तेलंगाना के लोग बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और इसके बारे में आपको हर दिन सुनने को मिलता है। सबसे बड़ा धोखा कालेश्वरम परियोजना का है। बीजेपी-बीआरएस ने तेलंगाना के लोगों से 1 लाख करोड़ रुपये लूटे। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि कर्ज चुकाने के लिए 2040 तक तेलंगाना का हर परिवार हर साल करीब 31,500 रुपये देगा। बीआरएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की हैं...हमारी सभी परियोजनाओं को देखें और फिर उनकी कालेश्वरम परियोजना को देखें। उन्होंने कहा कि जब हमारी प्रजा सरकार थी तो हमने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों की जमीनें वापस कीं। जो जमीन हमने लौटाई वह आपके मुख्यमंत्री ने छीन ली। कम्प्यूटरीकरण का बहाना बनाकर धरणी पोर्टल की चोरी की गई। तेलंगाना में 20 लाख किसानों को हुआ नुकसान और किसे हुआ फायदा? एक परिवार, उनके विधायक और मंत्री।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय

सड़क दुर्घटनाओं पर एक रिपोर्ट जारी हुई है। इसमें यह जानकारी हुई है कि पूरे देश में इन घटनाओं में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा चौकाने वाला है साथ ही चिंता भी बढ़ाने वाला है। ये तथ्य 2022 में सामने आए हैं। ज्ञात हो कि जबसे भारत में गाड़ियों की बिक्री बढ़ी है सड़क दुर्घटनाए भी बढ़ रही है। ये नहीं सड़कें भी तेजी से बन रही है पर दुर्घनाओं में कमी नहीं आ रही है। इन आंकड़ों के बाद सरकारों को इस पर सोचने की जरूरत है। हालांकि 2020 में कोविड के चलते इस तरह की दुर्घटनाओं में कमी आई थी। दरअसल, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों (9.4 प्रतिशत) और चोटों (15.3 प्रतिशत) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, देश भर में सड़क दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इसी अवधि के दौरान, दिल्ली के बाद बेंगलुरु में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों की दूसरी सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में बेंगलुरु की संकरी सड़कों पर 3,822 दुर्घटनाओं में 772 लोगों की जान चली गई, जबकि 2021 में 654 सड़क दुर्घटनाओं में मौतें हुईं। इसके अलावा, 3,189 बेंगलुरुवासी घायल हुए हैं। शहर की सड़कें, जो आमतौर पर अपनी ख़राब हालत के लिए सुर्खियाँ बनती हैं। इस बीच, चेन्नई में मृत्यु दर में उल्लेखनीय 49 प्रतिशत की कमी देखी गई, 2021 में 998 की तुलना में 2022 में 507 सड़क मौतें हुईं। हालांकि, तमिलनाडु में 2022 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें कुल 64,105 मामले थे। पूरे भारत में, 2022 में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 1,68,491 मौतें हुईं और ,43,366 घायल हुए। रिपोर्ट में इन दुर्घटनाओं का प्राथमिक कारण तेज़ गति बताया गया है और इसमें नशे में गाड़ी चलाने और यातायात नियमों के उल्लंघन को भी योगदान कारक बताया गया है। अमूमन देखने को मिला है ये दुर्घटनाएं हाइवे व शहरी मार्गों में ज्यादा देखने को मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं सड़कों की दुदर्शा की वजह से ज्यादा होती हैं। इस तरह दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल सरकारें ही जिम्मेदार नहीं है आमजन भी हैं। उसे भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

ज्ञात हो कि जबसे भारत में गाड़ियों की बिक्री बढ़ी है सड़क दुर्घटनाए भी बढ़ रही है। ये नहीं सड़कें भी तेजी से बन रही है पर दुर्घनाओं में कमी नहीं आ रही है। इन आंकड़ों के बाद सरकारों को इस पर सोचने की जरूरत है। हालांकि 2020 में कोविड के चलते इस तरह की दुर्घटनाओं में कमी आई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन चेतना के साथ इच्छाशक्ति भी जरूरी

प्रेम कुमार धूमल

आज हमारे सामने सबसे बड़ी व गंभीर समस्या नशे की है। नशे का यह कैंसर जिस तीव्रता से समाज में फैल रहा है उसे देख-सुनकर आदमी सिहर उठता है और लगता है कि जिस गति से नशा समाज को विनाश की गर्त में ले जा रहा है उससे तो समाज का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। प्रतिदिन नशे से होने वाली युवाओं की मौतों की खबरें और नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेपें पकड़े जाने के समाचार डराते हैं। मानव समाज के अस्तित्व को खतरे में डालने वाला स्वयं इंसान ही है जो पैसे के लालच में अन्धा होता जा रहा है। एक समय था जब तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी और अधिक से अधिक शराब को नशा माना जाता था। लेकिन आज अफीम, चरस, गांजा, कोकीन, चिट्टा और न जाने कौन-कौन से नए नामों के साथ नशा समाज में तबाही मचा रहा है। इस धंधे में जो अंधाधुंध कमाई हो रही है उसके लालच में लोग इस दलदल में फंसते हैं। यह भी कि जो फंस गए वे फिर निकल नहीं पाते। अधिकाधिक धन कमाने के लालच में लोग फंसते हैं। इसी तरह पुलिस प्रशासन और अन्य एजेंसियों के कुछ लोग जिनको इस पर नियंत्रण करना है, वे भी रिश्वत के चक्कर में आंखें मूंद लेते हैं। इसका भयंकर परिणाम यह हो रहा है कि बच्चे, विद्यार्थी और युवा नशेड़ी बन जाते हैं।

परिवार नियोजन के कारण बहुत सारे परिवारों में एक ही बच्चा, लड़का या लड़की होती है और वह मासूम जब नशे की लत का शिकार हो जाता है तो मां-बाप की जिन्दगी भी नर्क बन जाती है। यदि युवा पीढ़ी नशेड़ी होगी तो न सेना के लिए वीर सैनिक मिलेंगे, न पुलिस प्रशासन के लिए स्वस्थ व जागरूक कर्मचारी-अधिकारी मिल पाएंगे। इस तरह न कृषि का क्षेत्र, न उद्योग का क्षेत्र और न ही सेवाओं का क्षेत्र नशे के असर से बचेगा। नशे का यह जहर सारे समाज को खोखला कर देगा। नि:संदेह इस संकट को दूर करने के लिए कोई बाहर से आकर समाधान नहीं निकालेगा। हम सभी को स्वयं नागरिक के तौर पर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्व निभाना है।

कुछ समय से मैं देख रहा हूं कि परिवार की परिभाषा पति, पत्नी और बच्चों तक ही सीमित हो गई है। समाज के अन्य लोगों का सुख -दुख हमारा अपना नहीं होता। इसी प्रकार से हमारा सुख-दुख समाज के लोगों का नहीं

होता। इसी कारण से मनुष्य कष्ट या समस्या के समय सामाजिक प्राणी होते हुए भी अपने आप को अकेला पाता है। कुछ समय पहले तक किसी का भी बच्चा अगर सिगरेट, बीड़ी या शराब आदि का नशा करते किसी को मिलता था तो प्रत्येक व्यक्ति अपना सामाजिक दायित्व समझते हुए उसे रोकता था। उसके परिवारजनों को सूचना देता था तो एक प्रकार से कुरीतियों पर, दुष्प्रभावों पर पारिवारिक नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक नियंत्रण भी होता था। नशे की बात हो, महिलाओं से छेड़खानी की बात हो या कोई दुर्घटना हो जाए तो आंख बचाकर निकलने में ही भलाई समझी जाती है। इसलिए पहले तो सभी अपना पारिवारिक दायित्व निभाएं।

हम केवल बच्चे पैदा करना ही अपना दायित्व न समझें, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार देना, समय देना और समाज को सुसंस्कृत, सभ्य नागरिक देना भी सभी का दायित्व है। सामाजिक दायित्व को समझते हुए बुराई के खिलाफ खड़े होने का नैतिक साहस अपने अंदर पैदा करें और सामाजिक दायित्व को निभाएं। गलत किसी के साथ भी हो रहा है तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। परिवार और समाज के साथ सरकार पर भी बहुत बड़ा दायित्व आता है। इन बुराइयों को कुचलने के लिए सरकार को सख्त कानून बनाने की जरूरत है। इसमें वर्तमान कानूनों में अगर किसी संशोधन की आवश्यकता हो तो केंद्र और प्रदेश की सरकारें मिलकर सख्त कानून बनाएं। पुलिस प्रशासन के लोग अकसर यह शिकायत करते हैं कि हम तो केस पकड़ते हैं लेकिन अदालत से लोग छूट जाते हैं क्योंकि पकड़ी गई नशे की खेप की मात्रा कम होती है।

इसलिए सख्त कानून की आवश्यकता केवल धन के लालच में लगे समाज विरोधी ड्रग तस्करों के लिए नहीं अपितु इसे बनाने वालों, तस्करी करने वालों, नशा फैलाने वालों, प्रयोग करने वालों और संलिप्त पुलिस प्रशासन तथा राजनीतिक संरक्षण देने वालों समेत सब के लिए है। इसके लिए सबको इन समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त सभी लोगों के विरुद्ध सख्त दृष्टिकोण अपनाना होगा और सामान्य कानूनों के तहत मिलने वाले संरक्षण से इन्हें बाहर रखना होगा। मुझे याद है, साल 1995 में संसद की 'पर्यटन और परिवहन' की स्थाई समिति के सदस्य के तौर पर सिंगापुर जाने का अवसर मिला। उन दिनों अमेरिका के दो नागरिक नशे की तस्करी के आरोप में सिंगापुर में पकड़े गये थे।

हर पल के आनंद से कामयाबी की राह

रेनू सैनी

बस पांच साल की नौकरी और बाकी है, यह पूरी हो जाए तो जी भर के जिंदगी को जिएंगे। बस बच्चों का विवाह हो जाए, फिर मैं अपने पर पूरा ध्यान दूंगी। एक अच्छा-सा खुद का घर बना लूं, फिर अपने गायन के शौक को पूरा करूंगा। आपमें से कितने लोग ऐसे हैं जिनके मन में अक्सर इसी तरह के ख्याल कभी न कभी अवश्य आते हैं। नि:संदेह सभी के मन में ऐसी उथल-पुथल सदा मची रहती है और इन्हीं सब को पूरा करते-करते जिंदगी बीत जाती है। इसका अहसास अक्सर हमें तब होता है, जब बहुत देर हो चुकी होती है। आखिर इस देर को वक्त पर समझ कर क्यों न जीवन का आनंद उठाया जाए। क्या ऐसा संभव है? बिल्कुल संभव है। यदि आप शाओलिन की तकनीक को समझ जाएं। चीन के मध्य में, प्रांतीय राजधानी झेंग्झोऊ के बहुत ही करीब शाओलिन नामक एक गांव स्थित है।

यह गांव अपनी प्रसिद्धि के कारण पूरी दुनिया में पहचाना जाता है। यहां पर लगभग आज से 1500 साल पहले भारतीय भिक्षु बोधिधर्म ने एक बौद्ध मठ की स्थापना की थी। यहां पर पन्द्रहवीं सदी से ही शाओलिन कुंग फू की कला को विकसित करने के निरंतर प्रयास जारी हैं। यह पढ़कर आप सोच रहे होंगे कि शाओलिन तो युद्ध से जुड़ी कला है, फिर इसके माध्यम से जीवन सुंदर और सकारात्मक कैसे बन सकता है? दरअसल, शाओलिन केवल युद्ध से जुड़ी कला भर नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की संपूर्ण कला है। जो लोग इस मठ से शाओलिन मास्टर बनकर निकलते हैं, वे अपने शरीर के साथ तालमेल बिठाना सीख जाते हैं। वे अपने शरीर का सम्मान करते हैं और उनका सही तरह से उपयोग करते हैं। शाओलिन मास्टर इस विचार को पूरी तरह स्वीकार कर लेते हैं कि मस्तिष्क ही शरीर को सक्रिय और निष्क्रिय बनाता है। यदि बचपन से ही बच्चों के मन में जीवन के एक-एक क्षण का उपयोग करना सिखाया जाए तो वे कम उम्र में ऐसे इतिहास रच देते हैं कि दुनिया दांतों तले अंगुली दबाए देखती रह जाती है। 9 साल की अलधाबी अल म्हेरी एक ऐसी ही कम उम्र की बच्ची है जिसने बचपन से ही मां से जीवन एवं समय की उपयोगिता को समझ लिया था।

आज यह बच्ची विश्व की सबसे छोटी उद्यमी है। यह रेनबो चिमनी एजुकेशनल एड्स बुकस्टोर और पब्लिशिंग हाउस की संस्थापक है। अलधाबी ने केवल सात साल और 360 दिन की उम्र में दो भाषा की बुक सीरीज लिखकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने इस पुस्तक को अंग्रेजी और अरबी दोनों भाषाओं में लिखा था ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुस्तक को पढ़ सकें। अलधाबी अल म्हेरी संयुक्त अरब अमीरात में रहती है। वह कहती है कि जब मैं अपनी मां के पेट में थी, तभी से मेरी मां लगातार किताबें पड़ती रहती थी। जब मैं छह या सात महीने की हुई तो मेरी मां ने मुझे किताबों के साथ बैठकर कहानियां सुनाना शुरू कर दिया। जब मेरी मां कहानियां सुनाती थी तो मैं उनके शब्दों को सुनती थी। ढाई या तीन साल की उम्र में मैंने खुद से किताबें पढ़ना शुरू कर दिया था। मुझे पुस्तकों की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि उन्हें पढ़कर न केवल बढ़िया संदेश मिलता है बल्कि ज्ञान भी बढ़ता है।

अलधाबी कहती हैं कि जब वे छह साल की थीं तो उन्होंने लगभग 1200 किताबें पढ़ ली थीं और सात या आठ साल की उम्र में उन्होंने 3000 किताबों को पढ़ लिया था। अलधाबी कहती हैं कि मेरी मां को मैंने हर समय, हर क्षण का पूरा उपयोग करते देखा, हर पल को आनंद से जीते देखा। बस यही सीख मैंने उनसे ले ली। अभी नौ साल की उम्र होने पर उन्होंने 'ऑगमेंटेड रियलिटी' पर पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक की खास बात यह है कि इसे 'ऑटिज्म' से पीड़ित बच्चे भी पढ़ सकते हैं। एक नौ वर्ष की बच्ची अपनी प्रतिभा से ऐसे बड़े काम करेगी तो दुनिया तो उस बच्ची की काबिलियत के आगे सिर झुकाएगी ही। अलधाबी के घर के कोने-कोने में शाओलिन तकनीक रची-बसी है। उसके भाई सईद रशीद अल म्हेरी ने भी अभी हाल ही में एक पुस्तक लिखी है। सईद की उम्र अभी केवल पांच साल है। इससे ज्ञात होता है कि यदि माता-पिता बचपन से ही बच्चों को जीने के सिद्धांत बता दें तो कम उम्र से ही ऐसे बच्चे इतिहास रचने लगते हैं। दरअसल, शाओलिन तकनीक व्यक्ति को वर्तमान में जीना सिखाती है, उसे मजबूत बनाती है और उसे उत्कृष्टता का पाठ सिखाती है। इस क्षण का अनुभव ही जीवन है, शाओलिन के सिद्धांत का आरंभिक बिंदु यही बताता है। शाओलिन सिद्धांतों के अनुसार जीने का अर्थ है उस क्षण में जीना और उस खास क्षण को जीवन का एक अद्भुत, बहुमूल्य और क्षणिक हिस्सा मानना।

यहूदी धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथ 'तालमुद' में कहा गया है कि, 'महज एक घंटा जीया हुआ वक्त भी जीवन है।' वहीं शाओलिन मठ के भिक्षु इससे एक कदम आगे बढ़कर कहते हैं कि, 'न सिर्फ जीया हुआ हर घंटा, बल्कि जीया हुआ हर पल जिंदगी है।'जब व्यक्ति हर पल को काटता नहीं बल्कि जीता है तो उसके ऐसे अनेक पल इकट्ठे होकर इतिहास रच देते हैं। छोटे-छोटे पलों में जिए गए और किए गए काम ही व्यक्ति को बड़ा बनाते हैं और उसकी पहचान कराते हैं। तो बताइए कि आप शाओलिन सिद्धांतों के अनुसार जीना कब से शुरू कर रहे हैं? क्यों न अभी से यह शुरुआत कर दी जाए।

हाइड्रेशन भी जरूरी

इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ पौष्टिक आहार ही काफी नहीं हैं, आपको शरीर के हाइड्रेशन का भी ध्यान रखना चाहिए। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के मुताबिक पानी पीते रहना आपके पूरे शरीर में पोषक तत्वों के संचार में सहायता करता है। पानी पीते रहने से आपके सभी अंगों को ठीक से काम करते रहने में भी मदद मिलती है। डिहाइड्रेशन की स्थिति आपमें कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

ताजे फल और हरी सब्जियां

कहा जाता है, सर्दियों का मौसम सेहत बनाने के लिए सबसे बेहतरीन होता है। सर्दी के मौसम में खूब ताजे फल और सब्जियां उपलब्ध होती हैं। फल और हरी सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिंस, फाइबर और कई मिनिरल्स से भरपूर होती हैं। जिनका सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है और आप सेहतमंद रहते हैं।

सर्दियों में इम्युनिटी बनाए रखने के लिए करें ये काम

शरदीय नवरात्रि के बाद आमतौर पर देश में सर्दी के मौसम का आगमन हो जाता है। तापमान गिरना और मौसम में होने वाला अचानक बदलाव आपमें कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। इंफ्लूएंजा, सर्दी-जुकाम जैसी कई समस्याएं सर्दी के दिनों में काफी कॉमन हैं। इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को शरीर की इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों के बीमार पड़ने का खतरा अधिक होता है। जब आपके शरीर का तापमान कम होने लगता है, तो यह प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकती है। इसलिए सर्दी के मौसम में ठंड से बचाव के उपाय सुनिश्चित करें।

हेल्दी मसाले

सर्दियों में कई ऐसे मसाले होते हैं, जो नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर का काम करते हैं। अदरक, दालचीनी, जीरा और काली मिर्च जैसे मसाले एंटीमाइक्रोबॉयल और एंटीफंगल प्रॉपर्टीज से भरपूर होते हैं। ये सर्दियों में इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ डाइजेशन को ठीक कर भूख बढ़ाते हैं।

काढ़ा

इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए काढ़े का सेवन भी फायदेमंद है। सर्दी और जुकाम में काढ़े का सेवन बीमारी को दूर करता है और जल्द स्वस्थ बनाने के लिए अच्छा उपचार होता है। मुक्त कण शरीर की आंतरिक प्रक्रियाओं के दौरान उपोत्पाद के रूप में निकलने वाले विषाक्त पदार्थ हैं। ये विषाक्त पदार्थ अक्सर शरीर के अंदर फंस जाते हैं और हमारे अंग स्वास्थ्य पर कहर बरपाते हैं। काढ़ा का सेवन आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और इन मुक्त कणों से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

शारीरिक रूप से रहें सक्रिय

आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए नियमित व्यायाम फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम आपकी प्रतिरक्षा कोशिकाओं में रक्त के परिसंचरण को बढ़ाती है, बेहतर नींद में भी मदद कर सकती है। जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन के अनुसार, व्यायाम, गहरी नींद प्राप्त करने में मदद करता है, आपके दिमाग को आराम देता है और तनाव कम करता है। ये सभी स्थितियां शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देती हैं।

खाएं विटामिन्स-पोषक तत्व

जब भी बात शरीर की इम्युनिटी को मजबूती देने की होती है, इसमें आहार की पौष्टिकता पर ध्यान देना सबसे आवश्यक माना जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो तमाम प्रकार के पोषक तत्वों जैसे विटामिन सी, डी और जिंक से भरपूर हों, इन तत्वों को प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए फायदेमंद माना जाता है। संतुलित आहार आपके शरीर को ऊर्जावान और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। फलों और सब्जियों, लीन प्रोटीन और साबुत अनाज से भरपूर आहार आपके प्रतिरक्षा तंत्र मजबूती देते हैं।

हंसना मना है

पत्नी : शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमने तक नहीं ले गए.. पति : ठीक है आज घूमने चलेंगे.. शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली : छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति : अरे पगली लोग मरते है यहां आने के लिए।

बेटा : पापा आप शराब मत पिया करो..पापा : पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा : आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

जितना गौर से लोग, टकराने के बाद एक दूसरे को देखते है, उतनी गौर से साले अगर पहले ही देख ले, तो टक्कर ही नहीं होती।

मछली जल की रानी है : इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे- अतिथी देवो भव, फिर लिखा - शुभ लाभ, फिर लिखा- यू आर वेलकम, और अब- कुत्तों से सावधान !

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में ठूस ले तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

कहानी — सच्चा साधु कौन है

एक साधु को एक नाविक रोज इस पार से उस पार ले जाता था, बदले मैं कुछ नहीं लेता था, वैसे भी साधु के पास पैसा कहां होता था। नाविक सरल था, पढ़ा लिखा तो नहीं, पर समझ की कमी नहीं थी। साधु रास्ते में ज्ञान की बात कहते, कभी भगवान की सर्वव्यापकता बताते, और कभी अर्थसहित श्रीमद्भगवत गीता के श्लोक सुनाते। नाविक मछुआरा बड़े ध्यान से सुनता, और बाबा की बात ह्रदय में बैठा लेता। एक दिन उस पार उतरने पर साधु नाविक को कुटिया में ले गये, और बोले, वत्स, मैं पहले व्यापारी था, धन तो कमाया था, पर अपने परिवार को आपदा से नहीं बचा पाया था। अब ये धन मेरे किसी का काम का नहीं, तुम ले लो, तुम्हारा जीवन संवर जायेगा, तेरे परिवार का भी भला हो जाएगा। नहीं बाबाजी, मैं ये धन नही ले सकता, मुफ्त का धन घर में जाते ही आचरण बिगाड़ देगा। कोई मेहनत नहीं करेगा, आलसी जीवन लोभ लालच, और पाप बढ़ायेगा। आप ही ने मुझे ईश्वर के बारे में बताया, मुझे तो आजकल लहरों में भी कई बार वो नजर आया। जब मै उसकी नजर में ही हूं, तो फिर अविश्वास क्यों करूं, मैं अपना काम करूं, और शेष उसी पर छोड़ दूं। प्रसंग तो समाप्त हो गया, पर एक सवाल छोड़ गया, इन दोनों पात्रों में साधु कौन था? एक वो था, जिसने दुःख आया, संन्यास लिया, धर्म ग्रंथों का अध्ययन किया, याद किया, और समझाने लायक स्थिति में भी आ गया, फिर भी धन की ममता नहीं छोड़ पाया, सुपात्र की तलाश करता रहा। और दूसरी तरफ वो निर्धन नाविक, सुबह खा लिया, तो शाम का पता नहीं, फिर भी पराये धन के प्रति कोई ललक नहीं। संसार में लिप्त रहकर भी निर्लिप्त रहना आ गया, सन्यास नहीं लिया, पर उस का ईश्वरीय सत्ता में विश्वास जम गया। श्रीमदभगवद्गीता के श्लोक को ना केवल समझा बल्कि उन्हें व्यवहारिक जीवन में कैसे उतारना है ये सीख गया, और पल भर में धन के मोह को ठुकरा गया।

7 अंतर खोजें

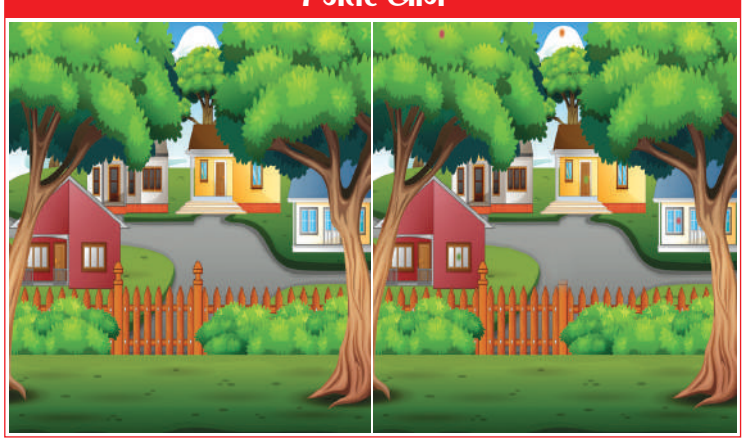

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ — राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन — नई योजना बनेगी। सुख के साधन प्राप्त होंगे। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

कर्क — कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

सिंह — पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या — लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला — धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

धनु — पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर — कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

कुम्भ — यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन — प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

लाइव इवेंट में फीमेल फैन ने मेरे साथ पार कर दी थी सारी हदें : संधू

हार्डी संधू म्यूजिक इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं। अपनी आवाज के दम पर उन्होंने काफी नाम कमाया है। इन दिनों वे मैडेन इंडिया टूर पर हैं। इसी बीच उन्होंने एक चौंका देने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि कैसे एक बार उन्हें मॉलेस्टेशन का दर्द झेलना पड़ा और उस दौरान वे क्या महसूस कर रहे थे। हार्डी संधू ने अपने साथ हुए हैरेसमेंट के किस्से को शेयर करते हुए ये भी कहा कि अगर उनकी जगह कोई फीमेल सिंगर होती और फैन की जगह कोई लड़का होता, तो बवाल ही मच जाता। एक्टर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि करीब 40 साल के आस पास की महिला उनसे स्टेज पर चढ़ने की जिद कर रही थी। ये इवेंट किसी शादी का प्राइवेट इवेंट था। वो फैन हार्डी का पीछा ही नहीं छोड़ रही थी और बार बार रिक्वेस्ट कर रही थी। हार्डी ने इंटरव्यू में आगे बताया, मैंने उससे कहा, अगर मैं तुम्हें बुलाऊंगा, तो दूसरे लोग भी ऐसा चाहेंगे और यह मुश्किल हो जाएगा। लेकिन वह नहीं मानी और उसने स्टेज पर आने की जिद नहीं छोड़ी। फिर सिंगर ने हार मान ली महिला को स्टेज पर आने दिया। संधू आगे कहते हैं कि महिला ने उन्हें गले लगाने के लिए पूछा और उसके लिए भी उन्होंने हामी भर दी। इसके बाद उन्होंने कहा, उसने मुझे गले लगाया और उसने मेरे कान को चाटा। अब इसके बारे में सोचो, अगर किरदार यहां उलट दिए जाए तो क्या होगा? मैं क्या कह सकता था? ऐसी चीजें होती हैं, इसके अलावा हार्डी संधू के बारे में बात करें तो उनका असली नाम हरदविंदर सिंह संधू है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर सिंगर ही की थी। फैंस हार्डी के गानों पर झूमते नजर आते हैं, उनके ज्यादातर गाने हिट साबित होते हैं। हार्डी संधू गाना गाने के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुके हैं और वो परिणीति चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के साथ भी बड़ी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

उड़ान नहीं भर पाई कंगना की 'तेजस'

बॉलीवुड | मसाला

कंगना रनौत की तेजस को रिलीज हुए महज 5 दिन ही हुए हैं, लेकिन ये फिल्म उड़ान भर पाने बेहद नाकाम साबित हुई है। पर्दे पर पहली बार एयर फोर्स ऑफिसर की भूमिका निभाने वाली कंगना की तेजस, बॉलीवुड की पहली एरियल एक्शन फिल्म भी कही जा रही थी। लेकिन चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का इतना बुरा हाल होगा, कि शोज तक कैंसिल करने पड़ेंगे, ये किसी ने सोचा ना था।

तेजस के अनाउंसमेंट से लेकर रिलीज के पहले तक फिल्म का बज बना हुई था। लोगों की उम्मीदें भी काफी बढ़ी हुई थी। लेकिन रिलीज के बाद फिल्म टिकट खिड़की पर औंधे मुंह गिरी है। फिल्म को दर्शक नसीब नहीं हो पा रहे हैं। फिल्म कहानी और VFX दोनों ही ऑडियन्स को लुभाने में नाकामयाब रहे हैं। पहले दिन से ही कंगना की इस फिल्म को दर्शक जुटाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी थी।

बॉक्स ऑफिस आंकड़ों को देखें तो, तेजस ने पहले दिन 1.11 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन फिल्म की कमाई 2.51 करोड़ रुपये रही। तीसरे दिन थोड़ा सा उछाल आया और तेजस ने 3.12 करोड़ कमाए। लेकिन फिर वीकेंड पर एक भी टिकट बिकना मुश्किल हो गया।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट को मानें तो, तेजस की शुरुआत ही बेहद धीमी हुई थी। अब हाल ये है कि एक टिकट तक बिकना नामुमकिन हो रहा है। वीकेंड को किसी भी फिल्म के लिए अहम माना जाता है। गिरते-पड़ते फिल्म कुछ ना कुछ कमाई कर ही लेती हैं। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस के एक शो की ऑक्यूपेंसी महज 12-13 टिकट की ही रही। इस वजह से थियेटर मालिकों ने सोमवार से इसके 50 शोज को कट करने का फैसला लिया। हालांकि क्रिटिक्स के अनुसार, फिल्म की कहानी इतनी बुरी नहीं है, जितना कि रिफ्लेक्ट हो रहा है।

बिहार के रूपबानी सिनेमा में फिल्म के सभी मॉर्निंग शोज को एक भी टिकट ना बिकने की वजह से कैंसिल कर दिया गया। फिल्म की टिकट का ना बिकना इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर बेहद बुरा असर डाल रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट को मानें तो, तेजस ने सोमवार को महज 40 लाख का कलेक्शन ही किया था। फिल्म की ओवरऑल कलेक्शन 4.60 करोड़ है। तेजस के बुरे प्रदर्शन का प्रभाव विधु विनोद चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी 12वीं फेल पर पड़ा है। विक्रांत मैसी स्टारर इस फिल्म को लोग ज्यादा देखना पसंद कर रहे हैं। पांचवें दिन इस फिल्म ने 1.6 करोड़ की कमाई की, इस लिहाज से फिल्म का ग्रोस कलेक्शन 9.59 करोड़ का रहा है।

फिल्मों में डेब्यू करेंगी रिद्धिमा कपूर

शो के लिए शुरू हो चुकी है शूटिंग

करण जौहर के शो द फैबुलस वाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की बात करें तो इसके 2 सीजन रिलीज किया जा चुके हैं जिसे दर्शकों ने पसंद भी किया है। शो में दिल्ली की महीप, भावना, सीमा और नीलम के साथ-साथ दिल्ली की तीन महिला बिजनेस वुमन रिद्धिमा कपूर साहनी, कल्याणी साहा चावला और शालिनी पासी की जिंदगी के बारे में दिखाया जाने वाला है। खास बात है इन तीनों का भी किसी न किसी तरह से बालीवुड से जुड़ाव रहा है। तीनों की ही करण जौहर से अच्छी खासी दोस्ती है। इस शो की शूटिंग पिछले हफ्ते से दिल्ली में शुरू हो चुकी है।

बॉलीवुड में कई ऐसे परिवार हैं जिनमें जनरेशन से फिल्मों में एक्टिंग करने का काम होता चला आ रहा है। इसका सबसे बड़ा एग्जाम्पल कपुर परिवार है। ऋषि कपूर ने अपने पिता से एक्टिंग की विरासत ली और आगे अपने बच्चों में पास ऑन की। नीतू कपूर की बेटी और दिवंगत अभिनेता रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर ने खुद को सिनेमाई चकाचौंध से हमेशा काफी दूर रखा है। मगर अब खबरें आ रही हैं कि रिद्धिमा कपूर फिल्मों में काम करने की शुरुआत करने जा रही हैं।

रिद्धिमा कपूर ने एक्टिंग में अपना करियर न बना कर ज्वेलरी डिजाइनिंग को अपना प्रोफेशन चुना था। उन्होंने लंदन में अमेरिकन इंटरकॉटिनेंटल यूनिवर्सिटी से डिजाइनिंग और मार्केटिंग में ग्रेजुएशन किया। फैशन डिजाइनिंग और इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स करने के बाद उन्होंने ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में खुद को स्थापित किया। आज वह जाने माने ब्रांड आर ज्वेलरी की मालकिन हैं। अपने इस बिजनेस से वह तगड़ी कमाई भी करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रिद्धिमा जल्द ही एक्टिंग की लाइन में अपना सिक्का जमाने जा रही हैं। खबरों के अनुसार रिद्धिमा फिल्माकर करण जौहर के प्रोडक्शन में बन रहे वेब शो द फैबुलस वाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के तीसरे सीजन का हिस्सा बनने जा रही हैं। रीधिमा फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के नए सीजन में नजर आएंगी।

अजब-गजब | क्या आप जानते हैं इस तथ्य के पीछे का रहस्य

बद्रीनाथ धाम में क्यों नहीं बजाया जाता शंख ?

मंदिर शब्द सुनते ही घंटों और शंख की ध्वनि गूंजने लगती है। आरती की लौ नजर आने लगती है। लेकिन अगर आप बद्रीनाथ धाम गए होंगे, तो गौर किया होगा इस मंदिर में शंख नहीं बजाया जाता। यहां आरती तो होती है, लेकिन शंखनाद नहीं। ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर कई लोगों ने इसकी वजह पूछी है। तो बता दें कि बद्रीनाथ धाम में शंखनाद न होने के पीछे एक बड़ा रहस्य है। यह वैज्ञानिक, पौराणिक और धार्मिक हर तरह से जुड़ा हुआ है।

साइंस के मुताबिक, ठंड के दौरान यहां चारों ओर बर्फ पड़ने लगती है। ऐसे में अगर यहां शंख बजता है तो उसकी ध्वनि पहाड़ों से टकराकर प्रतिध्वनि पैदा करती है। इससे बर्फ में दरार पड़ने या फिर बर्फीला तूफान आने की आशंका बन सकती है। लैंडस्लाइड भी हो सकता है। हो सकता है कि यही वजह हो, जिससे आदिकाल से बद्रीनाथ धाम में शंख न बजाया जाता हो। क्योंकि शंख की ध्वनि तमाम वाद्य यंत्रों में काफी तेज मानी जाती है। इसकी प्रतिध्वनि कंपन पैदा करती है। हालांकि, इसकी पौराणिक वजह भी बताई जाती है।

शास्त्रों के मुताबिक, हिमालय क्षेत्र में असुरों का आतंक था। ऋषि मुनि असुरों से भयभीत हो अपने आश्रमों में पूजा अर्चना भी नहीं कर पाते थे। एक बार मां लक्ष्मी यहां बने तुलसी भवन में ध्यान लगा रही थीं। उसी वक्त भगवान विष्णु ने शंखचूर्ण नाम के एक राक्षस का वध किया। युद्ध खत्म होने के बाद आमतौर

पर शंखनाद किया जाता है, लेकिन चूंकि भगवान विष्णु मां लक्ष्मी के ध्यान में विघ्न नहीं डालना चाहते थे, इसलिए शंख नहीं बजाया। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, तभी से बद्रीनाथ धाम में शंखनाद नहीं किया जाता।

एक मान्यता यह भी

एक मान्यता यह भी है कि यहां साढ़ेशवर जी का मंदिर था। जहां ब्राह्मण पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते थे। लेकिन राक्षस उन्हें पूजा नहीं करने देते थे। मारते-पीटते थे। यह देखकर साढ़ेशवर महाराज ने अपने भाई अगस्त्य ऋषि से मदद मांगी। अगस्त ऋषि भी जब मंदिर में पूजा करने गए तो राक्षसों ने उनके साथ बदमाशी की। तब अगस्त्य ऋषि ने मां भगवती को याद किया। कहा जाता है कि उनकी पुकार सुनकर मां कुष्मांडा प्रकट हुईं और उन्होंने त्रिशूल और कटार से वहां मौजूद समस्त राक्षसों का वध कर दिया। लेकिन आतापी और वातापी नाम के दो राक्षस वहां से भाग निकले। आतापी मंदाकिनी नदी में छुप गया और वातापी बद्रीनाथ धाम में जाकर शंख में छुप गया। कहा जाता है कि तभी से बद्रीनाथ धाम में शंख बजाना वर्जित हो गया।

बात-बात पर हम कहते हैं SORRY क्या होता है इसका मतलब?

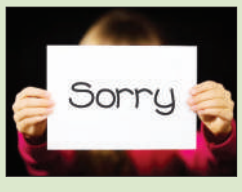

अगर आपने नोटिस किया होगा तो जानेंगे कि रोज़ाना हम न जाने कितनी बात सॉरी बोल जाते हैं। कई बार तो लोग बात-बात पर सॉरी बोलते हैं। किसी से टकरा जाएं या फिर किसी की सीट पर बैठ जाएं, मुंह से झट से सॉरी निकल जाता है। क्या छोटी-छोटी बात पर सॉरी बोलने का कोई मतलब है? इस शब्द का सही इस्तेमाल क्या होता है और कहां इसे बोलना चाहिए। 'सॉरी' शब्द अंग्रेजी के 'सरिग' शब्द से बना है, जिसका मतलब होता है 'गुस्सा या परेशान' होना। हालांकि आमतौर पर लोग सॉरी शब्द का इस्तेमाल इन बातों के लिए नहीं करते हैं। अब तो ये लोगों के लिए माफी मांगने का एक शब्द भर रह गया है। इसके जैसे शब्द कई अन्य भाषाओं में भी मिलते हैं जैसे प्राचीन जर्मन भाषा का sairag और मॉर्डन जर्मन भाषा का sairagaz, इंडो यूरोपीय भाषा का say?w. दक्षिणी ओरेगन विश्वविद्यालय की एक लैंग्वेज स्पेशलिस्ट एडविन बैटीस्टेला और सॉरी अबाउट दैट द लैंग्वेज ऑफ पब्लिक एपोलॉजी किताब की लेखिका बताती हैं कि लोग सॉरी शब्द का इस्तेमाल अलग-अलग तरीकों से करते हैं। जो लोग इस शब्द का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जरूरी नहीं कि वे ज्यादा पछतावे वाले हों।' सॉरी शब्द का मतलब 'मुझे माफ कर दीजिए' होता ही नहीं है। इसका सही अर्थ होता है। दुखी महसूस करना, खेद व्यक्त करना या फिर अपनी गलती पर दुखी होना। यानि अगर आपने सॉरी बोला है तो वो गलती दोहराने की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सॉरी बोलने से सामने वाला का भरोसा आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालांकि कई बार ज्यादा सॉरी बोलना मानसिक कमजोरी भी मान ली जाती है। बीबीसी की एक रिपोर्ट की मानें तो एक आम ब्रिटिश नागरिक दिन में कम से कम 8 बार सॉरी बोलता है, वहीं कुछ लोग तो 20 बार तक सॉरी बोलते हैं। चूंकि 100 साल पहले तक ब्रिटेन दुनिया के ज्यादातर देशों में मजबूत था, ऐसे में उनके साथ सॉरी भी लोकप्रिय होता चला गया। बैटीस्टेला ने एक सलाह ये भी दी है कि 'शोक उसी ढंग से करना चाहिए, जिस प्रकार और जिन परिस्थितियों में परिवार ने शोक करना सिखाया हो।'

मोदी नहीं चाहते गरीबों के हाथों में सत्ता आए : खरगे

» बोले- पीएम का एक ही काम गांधी परिवार को गाली देना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुकमा। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नहीं चाहते हैं कि गरीबों के हाथों में सत्ता आए। वह अपने आप कहते रहते हैं कि वह गरीब थे और मेरा प्रधानमंत्री बनना किसी को सहन नहीं हो रहा। वह इस तरह का भाषण देते रहते हैं। क्या भूपेष बघेल ने कभी कहा कि वे पिछड़ा वर्ग से हैं? क्या उन्होंने कहा कि भाजपा वाले उन्हें सहन नहीं कर रहे। उन्होंने कभी इस तरह का कोई बयान नहीं दिया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सुकमा में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह गांधी परिवार को गाली देते रहते हैं। क्या राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री रहे हैं? क्या प्रियंका गांधी वाड्रा कभी प्रधानमंत्री रही हैं? क्या सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद स्वीकार किया? राजीव गांधी जी के बाद उस घर के लोग कोई प्रधानमंत्री नहीं बने। उन्होंने कहा कि पिछले 40 साल से गांधी परिवार के घर से कोई भी किसी पद पर नहीं है, कोई मंत्री नहीं, कोई मुख्यमंत्री नहीं, कोई केंद्रीय मंत्री नहीं और कोई प्रधानमंत्री नहीं। ऐसे लोगों को वह (प्रधानमंत्री मोदी) रोज उठकर गाली देते हैं।

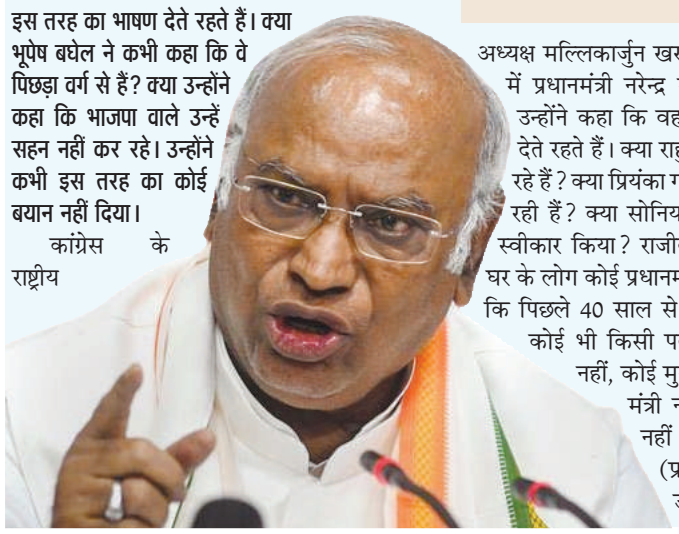

चुनाव के बाद ही पीएम पर फैसला

मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के प्रधानमंत्री पद से जुड़े सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि चुनकर आने के बाद सभी साथ बैठेंगे और निर्णय लेंगे। करीब 6 महीने बाद लोकसभा चुनाव होगा. चुनाव में वक्त कम है। ऐसे में इंडिया अलायंस का पीएम चेहरा कौन होगा, इस बारे में मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस का रुख साफ कर दिया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोगों से कहा कि कांग्रेस ने आपके लिए जो भी काम किए, भाजपा उसे खत्म कर रही है। भाजपा सरकार में अमीर और अमीर बन रहा है, गरीब और गरीब हो रहा है। इसलिए हमें कांग्रेस को वोट देना है, कांग्रेस को जितना है। उन्होंने कहा कि मैं मोदी सरकार से पूछना चाहता हूं- जिस तरह से छत्तीसगढ़ सरकार लोगों की मदद कर रही है, क्या बीजेपी सरकार भी गुजरात में ऐसा कर रही है? भाजपा को बस झूठ बोलना आता है, लेकिन काम करना नहीं आता। उन्होंने कहा कि आप सभी हाथ के निशान पर वोट दें। हाथ को मजबूत बनाएंगे तो सब मजबूत बन जाएगा। हमारे हाथ काम करने वाले हाथ हैं... सिर्फ फूल पकड़ने वाले नहीं। उन्होंने कहा कि आज हर जरूरी चीज महंगी होती जा रही है। पेट्रोल-डीजल, दाल, प्याज, बीज, खाद सभी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हमें महंगाई बढ़ाने वाली ऐसी सरकार नहीं चाहिए इसके बाद उन्होंने संवाददताओं से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि उन्हें जो कहना है कहने दीजिए, हम 75 (सीटें) पार करेंगे, उससे कम नहीं। हम बच्चों को प्राइमरी से पोस्ट-ग्रेजुएशन तक मुफ्त शिक्षा देंगे, महिलाओं को सिलेंडर देंगे। सीएम को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव बाद निर्वाचित विधायक तय करेंगे कि कौन सीएम होंगे।

भाजपा बस झूठ बोलती है

वीर सावरकर मामले में हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को दिया 2 दिसंबर तक का समय, दाखिल कर सकते हैं आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । वीर सावरकर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल परिवाद खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली निगरानी याचिका पर उनके वकील ने वकालतनामा दाखिल किया है। एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंश नारायण ने राहुल गांधी को उनकी आपत्ति दाखिल करने के लिए दो दिसंबर की तारीख तय की है। इससे पहले राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट में अर्जी देकर आपत्ति दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा था। गौरतलब है कि याचिका दायर करके निगरानी कर्ता नृपेंद्र पांडे के बताया था कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान 17 नवंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में वैमनस्यता पैदा करने के लिए वीर सावरकर पर अमर्यादित टिप्पणी की है। इस मामले में नृपेंद्र ने एमपीएमएलए के विशेष एसीजेएम अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग वाली अर्जी देकर कहा था कि राहुल ने देश के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है।

कलयुगी बेटे ने अपने माता-पिता को फावड़े से काट डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। इनायत नगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम सागरपट्टी पंडिला में बेटे ने अपने माता-पिता को फावड़े से काट डाला। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। करवाचौथ पर युवक के देर से घर पहुंचने पर बेटे और बहू में विवाद हो रहा था। जिस पर उसके माता-पिता ने लड़ाई-झगड़ा करने से मना किया था।

बताया गया कि बुधवार की रात ग्राम सागर पट्टी पांडिला निवासी बालेंद्र तिवारी देर से अपने घर पहुंचा। उसकी पत्नी ने करवाचौथ का व्रत रखा था जब बालेंद्र घर पहुंचा तो पत्नी करवा चौथ का पूजन कर चुकी थी, जिसको देखकर पति बालेंद्र आग बबूला हो गया और पत्नी को पीटने लगा। बहू और बेटे के बीच झगड़ा होते देख उसके पिता राजमार्ग तिवारी तथा माता सरोज देवी ने लड़ाई झगड़ा करने से मना किया। इसके बाद बालेंद्र अपना गुस्सा अपने माता-पिता पर उतारने लगा। हालांकि थोड़ी देर बाद बालेंद्र शांत हो गया और चला गया। इसके बाद माता-पिता घर के बाहर बने बरामदे में तख्त और चारपाई पर लेटे थे। करीब एक घंटे बाद रात 11:15 बजे बालेंद्र पहुंचा और अपने माता-पिता को फावड़े से काट डाला। घटना के समय मृतक का छोटा बेटा प्रवेश व हत्यारे की पत्नी घर में मौजूद थे। मृतक के एक शादीशुदा बेटी भी है।

बीजेपी को आजादी से कोई मतलब नहीं : नीतीश कुमार

» कांग्रेस 5 राज्यों के चुनाव में व्यस्त इंडिया गठबंधन में नहीं हो रहा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र की सरकार पर जमकर हमला बोला है। साथ ही इंडिया गठबंधन पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। जदयू प्रमुख ने कहा कि मोदी सरकार को आज़ादी से मतलब नहीं है। वही उन्होंने कहा कि अभी चुनावों में कांग्रेस व्यस्त है और इंटरेस्ट नहीं है। इंडिया गठबंधन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि कांग्रेस पार्टी को विपक्षी एकता से कोई मतलब नहीं है। हम तो सबको एकसाथ लेकर चलते हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। सीएम नीतीश ने पटना में गुरुवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को विपक्षी एकता से कोई मतलब नहीं है। आजकल इंडिया को लेकर कोई काम नहीं हो रहा है। हम सबको एकसाथ लेकर चलते हैं। कांग्रेस 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में व्यस्त है। कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन पर कतई ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि इंडिया गठबंधन बन गया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन में ज़्यादा इंटरेस्ट नहीं है। अभी पांच राज्यों में चुनाव है। कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान उसी पर है। अभी गठबंधन को लेकर आगे की कोई चर्चा नहीं हो रही है। चुनाव के बाद सबको फिर से बुलाया जाएगा। मीडिया के बात करते हुए नीतीश कुमार ने बीजेपी पर निशाना साधा। नीतीश कुमार ने कहा कि केंद्र की सरकार को आज़ादी से मतलब नहीं है। बापू को बीजेपी वाले भुलवाना चाह रहे हैं। ये लोग देश का इतिहास बदलना चाह रहे हैं। बिहार में हिंदू-मुस्लिम में कोई झंझट नहीं है। कुछ तो गड़बड़ करने वाले रहते ही हैं। बिहार में 95 फीसदी को हम एकजुट किए हैं।

चंद्रबाबू नायडू हैदराबाद पहुंचे इलाज कराए जाने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू हैदराबाद पहुंचे। तेलंगाना की राजधानी में उनका उपचार होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि नायडू अपराह्न तीन बजे आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में उंदावल्ली स्थित अपने आवास से निकले और शाम पांच बजे हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचे।

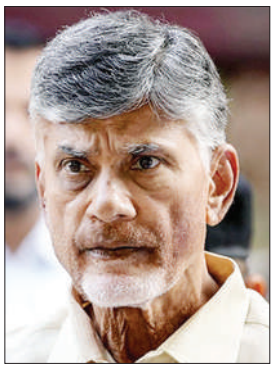

हैदराबाद पहुंचने पर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अपने जुबली हिल स्थित आवास पर गए। इस दौरान सड़क के किनारे उनके प्रशंसक एक झलक पाने को बेताब दिखे। तेदेपा सूत्रों के मुताबिक नायडू के हैदराबाद स्थित निजी अस्पताल में उपचार कराने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा कौशल विकास निगम घोटाला मामले में चिकित्सा आधार पर अस्थायी जमानत दिए जाने के बाद नायडू को मंगलवार को 53 दिनों के बाद राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार से रिहा किया गया।

अफ्रीकी टीम ने किया कीवियों का शिकार

विश्वकप में न्यूजीलैंड पर सबसे बड़ी जीत, डिकॉक और डुसेन का बल्ला जमकर बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका का विश्व कप 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के 32वें मैच में साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 190 रन से हार का स्वाद चखाया। कीवी टीम 358 रन के लक्ष्य के जवाब में सिर्फ167 रन बनाकर सिमट गई। बल्लेबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक और रेसी वेन डर डुसेन का बल्ला एकबार फिर जमकर बोला। कीवी टीम 358 रन के लक्ष्य के जवाब में सिर्फ 167 रन बनाकर सिमट गई। बल्लेबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक और रेसी वेन डर डुसेन का बल्ला एकबार फिर जमकर बोला। वहीं, गेंदबाजी में केशव महाराज की घूमती गेंदों का जादू कीवी बल्लेबाजों के सिर चढ़कर बोला।

साउथ अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही विश्व कप में 24 साल का सूखा भी खत्म कर दिया है। पुणे में मिली 190 रन की धमाकेदार जीत साउथ अफ्रीका की न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले साल 2017 में साउथ अफ्रीका ने कीवी टीम को 159 रन से हार का स्वाद चखाया था। न्यूजीलैंड का मजबूत बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह से फ्लॉप रहा। टीम की ओर से कुछ हद तक बस ग्लेन फिलिप्स की लड़ाई लड़ सके, जिन्होंने 50 गेंदों पर 60 रन बनाए। टीम के सात बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर सके।

खत्म हुआ 24 साल का सूखा

दरअसल, न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप में यह साल 1999 के बाद साउथ अफ्रीका ने पहल जीत का स्वाद चखा है। 24 साल के इंतजार के बाद वर्ल्डकप में साउथ अफ्रीका ने कीवी टीम को मात दी है। इससे पहले साउथ अफ्रीका को न्यूजीलैंड के हाथों लगातार छह बार हार का मुंह देखना पड़ा था। हालांकि, पुणे में खेले गए मुकाबले में टेंबा बावुमा की टीम पूरी तरह से हावी नजर आई और न्यूजीलैंड को बुरी तरह से रौंदा।

प्रयागराज में योगी सरकार के भ्रष्टाचार की खुली पोल

उद्घाटन के 10 दिन बाद ही पुल में आई दरार

» अखिलेश ने कहा- यूपी में न आजमाएं गुजरात मॉडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। भ्रष्टाचार पर जीरों टॉलरेंस की बात करने वाली योगी सरकार के राज में अब उस झूठे दावे की पोल खुलने लगी है। सरकार हर स्तर पर इमानदारी का ढोल पीट रही है जबकि प्रयागराज में एक पुल में आई दरार उस ढोल को तार-तार कर रही है। वहीं इसपर सपा प्रमुख ने योगी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि जीवन की सुरक्षा के गुजरात का विकास मॉडल यूपी में न लगाया जाए।

दरअसल तमसा नदी पर 63 करोड़ की लागत से बने नवनिर्मित पुल में मुख्यमंत्री योगी के उद्घाटन करने के 10 दिन बाद ही दरार आ गई है। यूपी और एमपी की सीमा पर तहसील बारा, मेजा और कोरांव तहसील को मध्य प्रदेश से जोड़ने के लिए इस पुल का निर्माण कराया गया था। सोमवार को ही मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन किया था। पुल चालू होने के 10 दिन के भीतर ही इसमें गड़बी आ गई। पुल के बीच दरार पैदा होने की शिकायत पर फिलहाल इस पर आवागमन को रोक दिया गया है। यूपी और एमपी की सीमा पर तहसील बारा, मेजा और कोरांव तहसील को मध्य प्रदेश से जोड़ने के लिए इस पुल का निर्माण कराया गया था। सोमवार को ही मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन किया था। पुल चालू होने के 10 दिन के भीतर ही इसमें गड़बी आ गई। पुल के बीच दरार पैदा होने की शिकायत पर फिलहाल इस पर आवागमन को रोक दिया गया है। इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि शीघ्र ही टेक्निकल टीम इस की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

63 करोड़ की लागत से बना है तमसा नदी पर नवनिर्मित पुल

भ्रष्टाचार के कमजोर स्तंभों पर मजबूत पुल कैसे बन सकता है : अखिलेश यादव

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उद्घाटित पुल का 10 घंटे में ही दरक जाना एक गंभीर विषय है जबकि कुंभ मेले का समय पास आता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कमजोर स्तंभों पर मज़बूत पुल कैसे बन सकते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात में भी ऐसा ही हुआ था। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि जन-जीवन की सुरक्षा के गुजरात का विकास मॉडल यहां न लगाया जाए।

राज्यपाल आरिफ खान के खिलाफ सुप्रीम दरबार पहुंची केरल सरकार

» राज्य सरकार ने लगाए गंभीर आरोप-विधेयकों को नहीं दे रहे मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। केरल सरकार का आरोप है कि राज्यपाल कई विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के पास आठ विधेयक लंबित हैं, जिन्हें राज्य विधानसभा ने पारित कर दिया है। याचिका में कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयक भेजे गए थे लेकिन राज्यपाल उन्हें मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

आरोप है कि तीन विधेयक बीते दो सालों से राज्यपाल के पास लंबित हैं। याचिका में केरल सरकार ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट राज्यपाल को निर्देश दे कि वह समय से विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी दें। याचिका के अनुसार, सभी विधेयकों को समय से मंजूर करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करने के लिए राज्यपाल बाधित हैं ताकि लोगों के हित में जनकल्याणकारी योजनाएं लागू हो सकें। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्यपाल अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रहे हैं। जो विधेयक राज्यपाल के पास लंबित हैं, उनमें राज्यपाल को सरकारी विश्वविद्यालयों के चांसलर पद से हटाने का विधेयक भी लंबित है।

क्या है संविधान का अनुच्छेद 200

बता दें कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास शक्ति है कि वह किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए अपने पास रोके रख सकते हैं। अगर यह वित्त विधेयक नहीं है तो राज्यपाल इन विधेयकों को फिर से विधानसभा के पास विचार के लिए भेज सकते हैं। अगर विधानसभा फिर से इन विधेयकों को पास कर देती है तो फिर राज्यपाल इस विधेयक को अपने पास नहीं रोक सकते। अप्रैल 2023 में अपने एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को जल्द पास करने का निर्देश दिया था।

मराठा आरक्षण आंदोलन हुआ और उग्र

आंदोलनकारी भड़के, सीएम और डिप्टी सीएम के पोस्टरों पर पोती कालिख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ठाणे। मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलनकारियों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कुछ प्रदर्शनकारी बसों पर लगे सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के पोस्टर पर कालिख पोतते नजर आए। वीडियो ठाणे के भिवंडी का बताया जा रहा है।

गौरतलब हो कि महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग बहुत पुरानी है। साल 1997 में मराठा संघ और मराठा सेवा संघ ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए पहला बड़ा मराठा आंदोलन किया।

प्रदर्शनकारियों ने अक्सर कहा है कि मराठा उच्च जाति के नहीं बल्कि मूल रूप से कुनबी यानी कृषि समुदाय से जुड़े थे। मौजूदा स्थिति की बात करें तो मराठा समुदाय महाराष्ट्र की आबादी का लगभग 31 प्रतिशत है। यह एक प्रमुख जाति समूह है लेकिन फिर भी समरूप यानी एक समान नहीं है। इसमें पूर्व सामंती अभिजात वर्ग और शासकों के साथ-साथ सबसे ज्यादा वंचित किसान शामिल हैं। राज्य में अक्सर कृषि संकट, नौकरियों की कमी और सरकारों के अधूरे वादों का हवाला देते हुए समाज ने आंदोलन किये हैं। 2018 में महाराष्ट्र विधानमंडल से मराठा समुदाय के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव वाला एक विधेयक पारित किया गया। विधेयक में मराठा समुदाय को सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग घोषित किया।

हिंसा के सिलसिले में 141 मामले दर्ज: पुलिस

राज्य पुलिस ने मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक 141 मामले दर्ज किए हैं और 168 लोगों को गिरफ्तार किया है। बीड जिले में हिंसा को लेकर उन्होंने बताया था कि 24 से 31 अक्तूबर के बीच भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत सात अपराधों सहित 20 मामले दर्ज किए गए हैं।

गाजा में भारतीय मूल के इजराइली सैनिक की गई जान

हमास का सुरक्षा घेरा तोड़ गाजा शहर में घुसी सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग का आज 27वां दिन है। हमास को खत्म करने के मकसद से इजराइली सेना गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन चला रही है। इस दौरान बुधवार को हमास लड़कों से लड़ते हुए एक भारतीय मूल के इजराइली सैनिक की मौत हो गई। मारे गए सैनिक का नाम स्टाफ सार्जेंट हलेल सोलोमन बताया जा रहा है।

हलेल इजराइल के डिमोना इलाके से थे। इस जगह में काफी भारतीय मूल के लोग रहते हैं इसलिए इसे लिटिल इंडिया भी कहा जाता है। डिमोना के मेयर बेनी बिट्टन ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर हलेल की मौत की जानकारी दी। वहीं, डिमोना में भारतीय मूल के लोगों ने भी हलेल की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि उसने इजराइल के अस्तित्व को बचाने के लिए जान दी है।

पंजाब में दर्दनाक हादसा

ट्रक और तेल कैंटर के बीच पिसी कार, एक बच्चे समेत छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऊधम सिंह वाला (पंजाब)। पंजाब के सुनाम में गुरुवार सुबह एक भीषण हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। सभी एक कार में सवार थे और मालेरकोटला से सुनाम लौट रहे थे। हादसे में दीपक जिंदल, नीरज सिंगला और उनके बेटे, लक्की कुमार, विजय कुमार और दवेश जिंदल की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, सभी मालेरकोटला में बाबा हैदर शाह की दरगाह पर माथा टेक कर सुनाम लौट रहे थे। सुनाम के पास कार को ट्रक व तेल के कैंटर ने अपनी चपेट में ले लिया। कार दोनों वाहनों के बीच पिस गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने कार को काटकर शवों को बाहर निकाला।

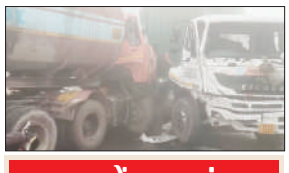

गम में डूबा गांव

हादसे की सूचना मिलते ही सुनाम में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के परिजन बदहवास हादसा स्थल की तरफ दौड़ पड़े। वहीं घरों पर लोगों का तांता लग गया। सभी शोक पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाते नजर आए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।